राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2686

12 अगस्त, 2015 को उत्तर के लिए

सरकारी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों का वित्तीय निष्पादन

2686. **श्री डी. पी . त्रिपाठी:**

श्री बी. के. हरिप्रसाद:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान पूर्वी भारत में सरकारी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों के वित्तीय निष्पादन में सुधार आया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) पूर्वी भारत में लाभ अर्जित करने वाली कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान इस्पात कंपनियों की परिचालन लागत और आदान संबंधी लागत में कोई वृद्धि हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा सरकार द्वारा परिचालन लागत में कमी लाने हेतु क्या-क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) से (ग): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ही सार्वजनिक क्षेत्र की एक ऐसी इस्पात निर्माता कंपनी है, जिसके प्रचालन में अन्य के साथ-साथ पूर्वी भारत शामिल है। गत तीन वर्षों के दौरान सेल का कर पश्चात लाभ (पीएटी) निम्नवत है :-

2012-13	2013-14	2014-15
2170	2616	2093

सेल के लाभों में गिरावट मुख्य रूप से बिक्री योग्य इस्पात के एनएसआर (शुद्ध बिक्री वसूली) में कमी होने और रेल भाड़ा, पोर्ट कंजेस्न चार्ज, लौह अयस्क पर रॉयलटी इत्यादि में वृद्धि समेत कोयला एवं अन्य आदान सामग्रियों की कीमतों में परिवर्तन होने तथा घरेलू कोयले की कम उपलब्धता की वजह से आयातित कोयले का अधिक प्रयोग होने के कारण हुई है।

(घ) और (ङ) : विगत तीन वर्षों में वित्तीय वर्ष 2012-13 , 2013-14 और 2014-15 के लिए सेल की प्रचालन लागतें/आदान लागतें क्रमश: लगभग 44150 करोड़ रुपए , 44667 करोड़ रुपए और 45693 करोड़ रुपए रही है।

सभी संयंत्रों/यूनिटों को उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए परिचालन और गैर-परिचालन क्षेत्रों पर जोर देने की सलाह प्रदान की गई है, जिसमें उत्पादन , बिक्री , उत्पादन मिश्रण एवं मूल्यवर्द्धित उत्पाद, प्रौद्योगिकी-आर्थिकी पैरामीटर, निधियों के प्रबंधन इत्यादि में सुधार शामिल है।

******